UPSC PRELIMS 2025

CRASH COURSE

CURRENT AFFAIRS

18 MONTHS

THE HINDU
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
Hindustan Times

RAVI SIR

Result Mitra

Result Mitra

Topic 1- गिरगिट ट्रोजन

Topic 2- केटामाइन

Topic 3- माजुली मुखौटा एवं माजुली पांडुलिपि पेंटिंग

Topic 4- भोजशाला मंदिर परिसर

Topic 5- चन्नापटना खिलौने

Topic 6- वेनिस बिएननेल

Topic 7- विक्रमादित्य वैदिक घड़ी

गिरगिट ट्रोजन

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. गिरगिट ट्रोजन मैलवेयर केवल पिन का खुलासा करने में सक्षम है लेकिन बायोमेट्रिक सुरक्षा को प्रभावित नहीं करता।
2. यह एंड्रॉइड डिवाइस की सुरक्षा प्रणाली को दरकिनार करने की क्षमता रखता है।
3. यह गूगल प्रोटेक्ट अलर्ट से बचने के लिए रनटाइम के दौरान अपने कोड को छिपा सकता है।

सही उत्तर चुनें:

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. 1, 2 और 3

- साइबर सुरक्षा शोधकर्ताओं ने 'गिरगिट ट्रोजन' मैलवेयर के एक शक्तिशाली वर्जन की पहचान की है।
- यह एडवान्स वर्जन बायोमेट्रिक सुरक्षा को अक्षम करते हुए पिन का खुलासा करके एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं को क्षति पहुँचा रहा है।
- यह संवेदनशील जानकारी तक गुप्त रूप से पहुँचने के लिए फिंगरप्रिंट और फेस अनलॉक सहित बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण विधियों को अक्षम करने की क्षमता प्रदर्शित करता है।
- रनटाइम के दौरान मैलवेयर बंडलों का पता न चल पाने के कारण यह गूगल प्रोटेक्ट अलर्ट को मात देने और डिवाइस के सुरक्षा सॉफ्टवेयर को दरकिनार करने में सक्षम होता है।

- इसकी कार्यप्रणाली एंड्रॉइड संस्करण के आधार पर भिन्न होती है। गिरगिट ट्रोजन एक भ्रामक एच.टी.एम.एल. पृष्ठ का उपयोग करता है।
- यह मैलवेयर पिन एवं पासवर्ड तक अनधिकृत पहुँच से क्रेडिट कार्ड विवरण और लॉगिन क्रेडेंशियल जैसी संवेदनशील जानकारी प्राप्त करता है।

केटामाइन

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. केटामाइन का उपयोग मुख्य रूप से अवसादरोधी दवा के रूप में किया जाता है और इसमें कोई मतिभ्रमकारी प्रभाव नहीं होता।
2. यह मस्तिष्क में NMDA रिसेप्टर को अवरुद्ध करके ग्लूटामेट की मात्रा को बढ़ाता है।
3. इसे अमेरिका ने वर्ष 2019 में नेज़ल स्प्रे के रूप में अवसाद के उपचार हेतु मंजूरी दी थी।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. 1, 2 और 3

Result Mitra

- प्रसिद्ध अमेरिकी अभिनेता मैथ्यू पेरी की मृत्यु का कारण 'केटामाइन' (Ketamine) दवा का ओवरडोज माना जा रहा है।

केटामाइन के बारे में

- उपयोग : एनेस्थीसिया, अवसादरोधी दवाओं एवं साइकेडेलिक पार्टी ड्रग या 'डेट-रेप ड्रग' के रूप में
- वर्ष 2019 में अमेरिका ने केटामाइन आधारित नेज़ल स्प्रे और पहले एंटीडिप्रेसेंट को मंजूरी दी।
- संश्लेषण : अमेरिकी रसायनज्ञ केल्विन एल स्टीवंस द्वारा वर्ष 1962 में हेलुसीनोजेनिक दवा 'फेनसाइक्लिडीन' (PCP) से
- अन्य नाम : 'स्पेशल के' या 'कैट वैलियम'

- अवसादरोधी दवा के रूप में : शोधकर्ताओं के अनुसार, अन्य उपचारों की तुलना में केटामाइन की एक अंत:शिरा डोज कुछ ही घंटों में गंभीर अवसाद को तेजी से कम कर सकने में सक्षम

उपयोग

- इसका उपयोग 1960 के दशक में पशु एवं मानव के लिए और वियतनाम युद्ध के दौरान सर्जरी के लिए किया जाता था।
- यह मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी में एन-मिथाइल-डी-एस्पार्टेट (N-Methyl-D-Aspartate : NMDA) रिसेप्टर को अवरुद्ध करता है और ग्लूटामेट नामक मस्तिष्क रसायन या न्यूरोट्रान्समीटर को बढ़ाता है।

Result Mitra

- यह रीढ़ की हड्डी में दर्द के संचरण को रोकता है और मस्तिष्क के मार्गों को सक्रिय करता है। इसलिए, इसका उपयोग दर्द प्रबंधन में किया जाने लगा।
- लगभग एक दशक से यह गंभीर अवसाद के रोगियों को दिया जाने लगा। इस दवा में एक उच्च-परिवर्तनकारी प्रभाव होता है जो मतिभ्रम का कारण बनता है। इस अनुभव को 'के-होल' कहा जाता है।

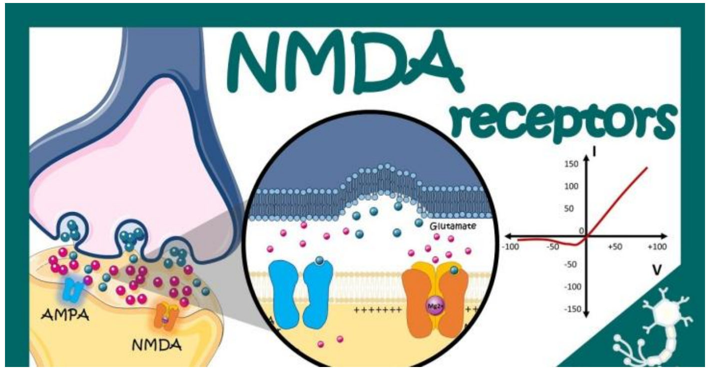

एन-मिथाइल-डी-एस्पार्टेट रिसेप्टर

- यह ग्लूटामेट का एक रिसेप्टर है जो मानव मस्तिष्क में प्राथमिक उत्तेजक न्यूरोट्रान्समीटर है।
- यह सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी में एक अभिन्न भूमिका निभाता है जो एक न्यूरोनल तंत्र है जिसे स्मृति निर्माण का आधार माना जाता है।

केटामाइन के दुष्प्रभाव

- उत्तेजना एवं मतिभ्रम और दौरे पड़ना या कोमा
- बेहोशी एवं स्मृति-हानि और सिज़ोफ्रेनिया का खतरा
- यकृत व गुर्दे को नुकसान और उच्च रक्तचाप एवं हृदय गति में परिवर्तन
- पेट संबंधी व श्वसन संबंधी समस्याएँ (इसकी उच्च खुराक से फेफड़े सिकुड़ जाते हैं)
- अल्कोहल के साथ लेने से मृत्यु की संभावना

माजुली मुखौटा एवं माजुली पांडुलिपि पेंटिंग

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. माजुली मुखौटे मुख्य रूप से नव-वैष्णव परंपरा के भाओना नाटकों में प्रयुक्त होते हैं।
2. माजुली पांडुलिपि पेंटिंग का प्रारंभ 18वीं शताब्दी में अहोम राजाओं के संरक्षण में हुआ था।
3. माजुली दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप है और यह असम की ब्रह्मपुत्र नदी में स्थित है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 3

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 2

D. 1, 2 और 3

Result Mitra

Result Mitra

संदर्भ

- हाल ही में, असम के माजुली मुखौटे (मास्क) एवं माजुली पांडुलिपि पेंटिंग को भौगोलिक संकेतक (GI Tag) प्रदान किया गया है।
- माजुली मुखौटे के बारे में

विशेषताएँ

- **चित्रण :** मुखौटों में देवी-देवताओं, राक्षसों, जानवरों एवं पक्षियों का चित्रण।
- **आकार :** केवल चेहरे को ढकने वाले से लेकर पूरे शरीर को ढकने वाले तक।
- **निर्माण :** बाँस, मृदा, गोबर, कपड़ा, कपास, लकड़ी एवं नदी के आसपास उपलब्ध अन्य सामग्रियों से।

नव-वैष्णव परंपरा से संबंध

- परंपरागत रूप से हस्तनिर्मित माजुली मुखौटों का उपयोग नव-वैष्णव परंपरा के तहत भाओना या भक्ति संदेशों के साथ नाटकीय प्रदर्शन में पात्रों के लिए किया जाता है।
- नव-वैष्णव परंपरा की शुरुआत 15वीं-16वीं सदी के सुधारक संत श्रीमंत शंकरदेव ने की थी।
- श्रीमंत शंकरदेव एवं उनके शिष्यों द्वारा धार्मिक, सामाजिक व सांस्कृतिक सुधार केंद्र के रूप में स्थापित मठवासी संस्थाओं को सत्र (Than/Sattra) कहते हैं।
- वर्तमान में सत्र पारंपरिक प्रदर्शन कलाओं, जैसे- बोरगीत, जत्रिया (नृत्य) एवं भाओना के केंद्र भी हैं।
- माजुली में 22 सत्र हैं जिनमें से मुखौटा बनाने की परंपरा मध्यत: चार में केंद्रित है।

माजुली पांडुलिपि पेंटिंग की विशेषताएँ

- माजुली पांडुलिपि की उत्पत्ति 16वीं सदी में हुई थी। इसे घर में बनी स्याही का उपयोग करके सांचीपट या पेड़ की छाल से निर्मित पांडुलिपियों पर बनाया गया था।
- सचित्र पांडुलिपि का सबसे पहला उदाहरण श्रीमंत शंकरदेव द्वारा असमिया में भागवत पुराण के आद्य दशम का प्रतिपादन माना जाता है।
- इस कला को अहोम राजाओं ने संरक्षण दिया था। वर्तमान में माजुली के प्रत्येक सत्र में इसका निर्माण किया जाता है।

Result Mitra

माजुली नदी द्वीप

- 352 वर्ग किमी. (136 वर्ग मील) के कुल क्षेत्रफल के साथ माजुली दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप है।
- यह असम में ब्रह्मपुत्र नदी में स्थित असम की नव-वैष्णव परंपरा का केंद्र है। वर्ष 2016 में यह भारत में जिला बनने वाला पहला नदी द्वीप बन गया है।
- यह द्वीप दक्षिण में ब्रह्मपुत्र नदी और उत्तर में सुबनसिरी नदी से जुड़कर ब्रह्मपुत्र की एक उपशाखा खेरकुटिया जूटी द्वारा निर्मित है।

Result Mitra

भोजशाला मंदिर परिसर

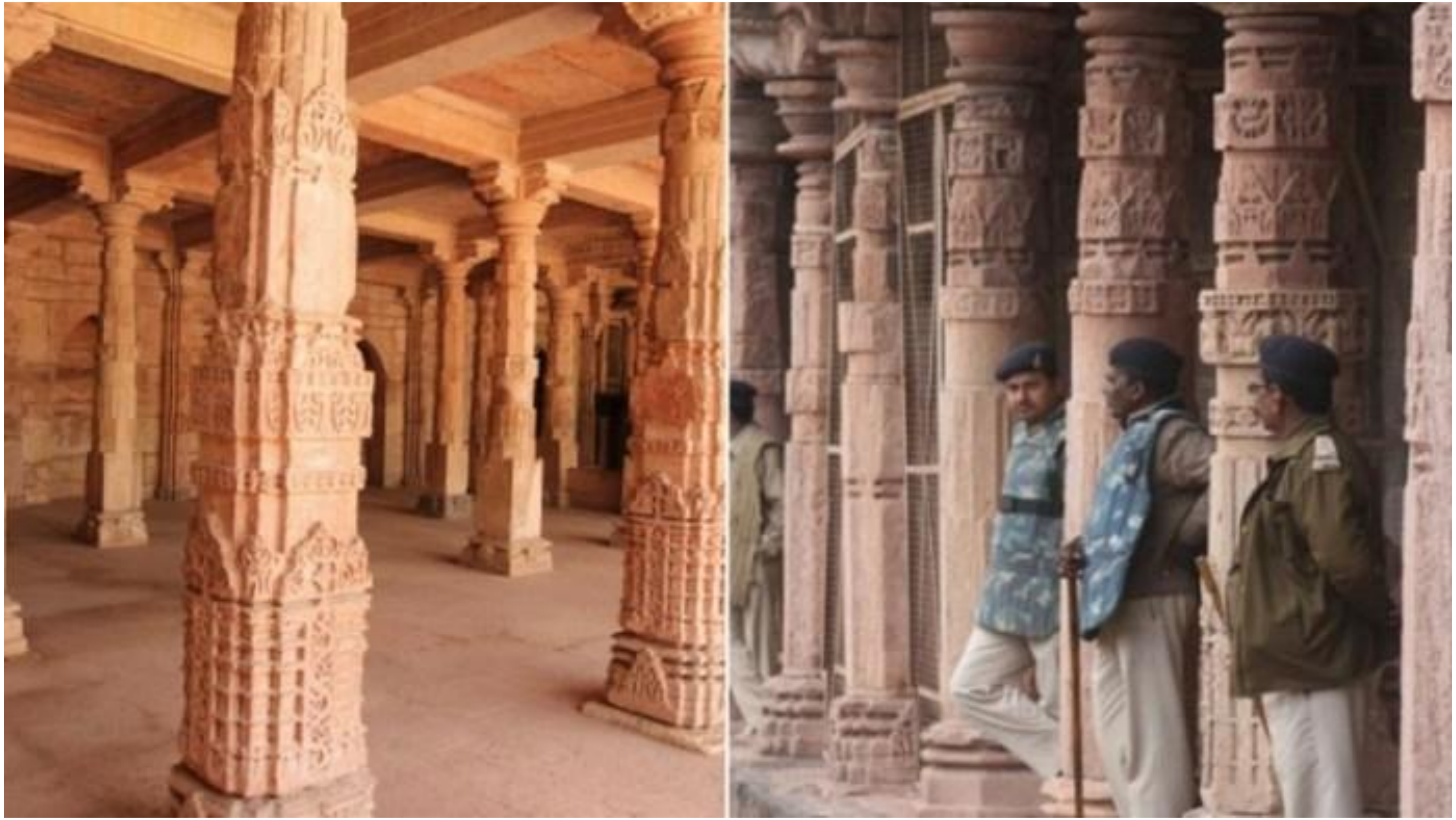

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भोजशाला मूलतः एक सरस्वती मंदिर था, जिसे राजा भोज द्वारा स्थापित किया गया था।
2. वर्तमान में इसकी वाग्देवी प्रतिमा भारतीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण (ASI) के दिल्ली संग्रहालय में सुरक्षित रखी गई है।
3. इस स्थल पर संस्कृत व्याकरण से संबंधित शिलालेख प्राप्त हुए हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 3

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 2

D. 1, 2 और 3

Result Mitra

- मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) को धार जिले में स्थित भोजशाला मंदिर अथवा कमाल मौला मस्जिद परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण का निर्देश दिया है।

भोजशाला मंदिर परिसर के बारे में

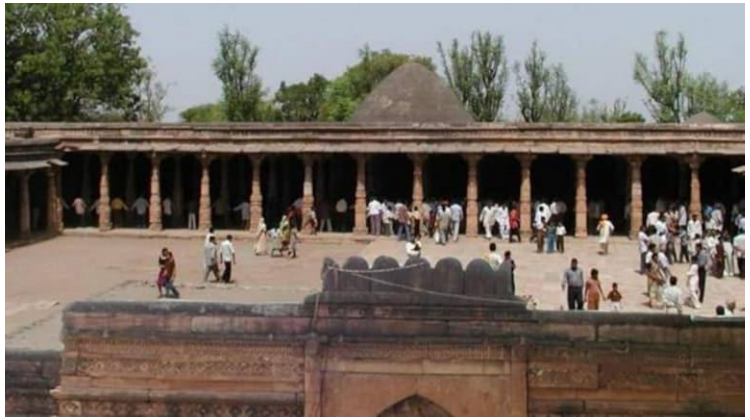

- ए.एस.आई. (ASI) द्वारा संरक्षित यह स्थल 11वीं सदी का स्मारक है। इसमें एक प्रार्थना कक्ष भी स्थित है।
- इस परिसर में दीवारों में लगे पत्थरों पर विष्णु के एक अवतार के प्राकृत भाषा में लिखे दो छंद उत्कीर्ण हैं।
- दो सर्पबंध स्तंभ शिलालेखों में से एक में संस्कृत वर्णमाला तथा संज्ञा व क्रिया के मुख्य अंत्याक्षर शामिल हैं तथा दूसरे में संस्कृत व्याकरण के दस काल व भाव संबंधी उल्लेख हैं।

- यहाँ से प्राप्त शिलालेख 11वीं-12वीं सदी के हैं। इसके ऊपर अनुस्तुभ छंद में दो संस्कृत ग्रंथ उत्कीर्ण हैं।
- इनमें से एक में राजा भोज के उत्तराधिकारी उदयादित्य एवं नरवर्मन की प्रशंसा है।

ऐतिहासिकता

- ऐसा माना जाता है कि परमार वंश के सबसे महान शासक राजा भोज (1000 से 1055 ई.) ने एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में भोजशाला परिसर की स्थापना की थी।
- भोजशाला मूलतः एक सरस्वती (वाग्देवी) मंदिर था जिसका उल्लेख कवि मदन ने अपने नाटक में किया है।

- इस मंदिर की वाग्देवी प्रतिमा इस समय लंदन के संग्रहालय में मौजूद है।
- हालाँकि, बाद में मुस्लिम शासकों ने इसे एक मस्जिद में परिवर्तित कर दिया और इसका नाम 'कमाल मौला मस्जिद' रख दिया।

चन्नापटना खिलौने

Result Mitra

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. चन्नापटना खिलौनों का निर्माण मुख्यत: बाँस से किया जाता है।
2. यह पारंपरिक खिलौने हल्के एवं मजबूत होते हैं और प्राकृतिक रंगों से रंगे जाते हैं।
3. इन खिलौनों को वर्ष 2005 में भौगोलिक संकेतक (GI) टैग प्रदान किया गया था।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 3

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 2

D. 1, 2 और 3

- वर्तमान में चन्नापटना खिलौने अफगानिस्तान में शैक्षणिक गतिविधियों का हिस्सा बन गए हैं।
- ये खिलौने लकड़ी के बने होते हैं जिन्हें कर्नाटक के चन्नापटना शहर में बनाया जाता है। इस शहर को कर्नाटक का खिलौना शहर भी कहा जाता है।
- ये खिलौने हल्के एवं मजबूत होते हैं। इन्हें जैविक एवं प्राकृतिक रंगों से चित्रित किया जाता है, इनके निर्माण में रासायनिक डाई का उपयोग नहीं होता है।

- प्राचीनकाल में इन खिलौनों का निर्माण हाथी दाँत से किया जाता था तथा इन पर पॉलिश की जाती थी। चन्नापटना खिलौनों का संबंध टीपू सुल्तान के शासन से है।
- इन खिलौनों वर्ष 2005 में जी.आई. टैग प्रदान किया गया था। इनके निर्माण में बिलकुल भी लकड़ी बर्बाद नहीं होती है क्योंकि इनका पुनर्चक्रण भी किया जा सकता है।

वेनिस बिएननेल

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वेनिस बिएननेल को 'कला जगत का ओलंपिक' कहा जाता है।
2. भारत ने पहली बार 1984 में वेनिस बिएननेल में भाग लिया था।
3. इसका 60वाँ संस्करण अप्रैल 2024 में आयोजित होने जा रहा है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 3

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 2

D. 1, 2 और 3

Result Mitra

- वेनिस बिएननेल (Venice Biennale) का 60वाँ संस्करण 20 अप्रैल, 2024 से प्रारंभ होगा। इसे 'कला जगत का ओलंपिक' भी कहा जाता है।
- अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में क्यूरेटर एड्रियानो पेड्रोसा के केंद्रीय विषय 'स्ट्रानिएरी ओवुके' या 'फॉरेनर्स एवरीवेयर' के तहत कलाकारों का प्रदर्शन होगा।
- यह विषय हाशिए पर रहने वाले लोगों, बाहरी लोगों, आप्रवासियों या स्वदेशी आबादी के अनुभवों पर प्रकाश डालेगा।

- इसमें भारतीय कलाकारों की कृतियाँ भी शामिल होंगी जिनमें दिवंगत आधुनिकतावादी चित्रकार राम कुमार, बी प्रभा, एस.एच. रजा, जामिनी रॉय, अमृता शेरगिल, एफ.एन. सूजा एवं गोवा स्थित मोनिका कोरिया की पेंटिंग शामिल हैं।
- भारत ने सर्वप्रथम वर्ष 1954 में इसमें प्रतिभाग किया था।

बिएननेल से तात्पर्य

- यह प्रदर्शनी प्रत्येक दो वर्ष पर आयोजित की जाती है। इसमें विभिन्न देशों के कलाकारों द्वारा समकालीन कला को प्रदर्शित किया जाता है, जो आमतौर पर एक सामान्य क्यूरेटोरियल थीम से जुड़ी होती हैं।
- पहली बार वेनिस बिएननेल को वर्ष 1895 में आयोजित किया गया था। इसे इटली के राजा अम्बर्टो I और रानी मार्गेरिटा के सम्मान में शुरू किया गया था।

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का निर्माण उज्जैन में किया गया है और यह पंचांग गणना पर आधारित है।
2. यह घड़ी भारतीय समय गणना पद्धति के अनुसार समय बताने वाली दुनिया की पहली घड़ी है।
3. यह पूरी तरह से डिजिटल तकनीक पर आधारित एक आधुनिक घड़ी है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 3

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 2

D. 1, 2 और 3

- भारतीय 'पंचांग गणना' पर आधारित दुनिया की पहली वैदिक घड़ी के रूप में 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी' का उद्घाटन मध्य प्रदेश के उज्जैन में जंतर मंतर पर किया गया।
- यह प्राचीन भारतीय खगोलीय गणनाओं पर आधारित एक टाइमकीपिंग उपकरण है, विशेष रूप से वैदिक ग्रंथों और पंचांग (हिंदू कैलेंडर) में पाया जाता है।
- इसमें हिंदू ब्रह्मांड विज्ञान और ज्योतिष के अनुरूप, सटीक समय निर्धारित करने के लिए समय मापने के पारंपरिक तरीकों और खगोलीय अवलोकनों को शामिल किया गया है।

कोचरब आश्रम

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. कोचरब आश्रम महात्मा गांधी द्वारा वर्ष 1915 में स्थापित किया गया पहला आश्रम था।
2. इसे जीवनलाल देसाई ने दान में दिया था और बाद में साबरमती आश्रम में स्थानांतरित कर दिया गया।
3. वर्तमान में इस आश्रम को भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण (ASI) द्वारा संरक्षित किया गया है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 3

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 2

D. 1, 2 और 3

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मार्च को अहमदाबाद के साबरमती में पुनर्विकसित कोचरब आश्रम का उद्घाटन किया।
- महात्मा गांधी ने 12 मार्च को ही दांडी मार्च की शुरुआत की थी।
- साबरमती जाने से पहले गांधीजी यहाँ रुके थे। यह वर्ष 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत आने के बाद महात्मा गांधी द्वारा स्थापित पहला आश्रम था।
- इसे मई 1915 में स्थापित किया गया था।

- महात्मा गांधी के एक साथी वकील एवं सहकर्मी जीवनलाल देसाई ने उन्हें यहाँ बंगला दिया था। जून 2017 में इस आश्रम को साबरमती में स्थानांतरित कर दिया गया।
- साबरमती आश्रम को गांधी आश्रम या हरिजन आश्रम भी कहा जाता है। इसका मूल नाम सत्याग्रह आश्रम था।
- पौराणिक रूप से माना जाता है कि साबरमती आश्रम का स्थान दधीचि ऋषि का आश्रम स्थल था जिन्होंने एक धार्मिक युद्ध के लिए अपनी अस्थियाँ दान कर दी थीं।
- वर्तमान में कोचरब आश्रम को गुजरात विद्यापीठ ने एक स्मारक एवं पर्यटन स्थल के रूप में संरक्षित रखा है।